

**असंतोष** पुं. (तत्.) 1. संतोष का अभाव 2. अतृप्त, अप्रसन्नता विलो. संतोष।

**असंतोषी** वि. (तत्.) संतुष्ट न रहने की प्रवृत्ति वाला, जिसे संतोष न हो, जो तृप्त न हो 2. अधिक चाहने वाला विलो. संतोषी।

**असंदाय** पुं. (तत्.) किसी देय राशि का भुगतान न किया जाना। non-payment

**असंदिग्ध** वि. (तत्.) 1. जिसके विषय में संदेह न हो, आशंका से रहित 2. विश्वास योग्य विलो. संदिग्ध।

**असंधि** वि. (तत्.) 1. जिसमें आपस में संधि न हो, संधि रहित; जोड़-रहित 2. स्वतंत्र स्त्री. संधि का अभाव, मेल का अभाव, संबंध का अभाव 3. व्या. शब्द का संधिरहित होना विलो. संधि।

**असंपत्ति** स्त्री. (तत्.) 1. संपत्ति का अभाव 2. दुर्भाग्य वि. (तत्.) संपत्ति रहित, अभागा।

**असंपर्क** पुं. (तत्.) संपर्क का अभाव, संबंध न होना, मेलजोल न होना विलो. संपर्क।

**असंपुष्ट** वि. (तत्.) जिसकी संपुष्टि या सच्चाई पर्याप्त साक्ष्य से प्रमाणित न हुई हो।

**असंपूर्ण** वि. (तत्.) 1. अधूरा, अपूर्ण, अपरिपूर्ण, जो पूरा न हो 2. थोड़ा-थोड़ा, कुछ-कुछ विलो. संपूर्ण।

**असंपृक्त** वि. (तत्.) 1. जो किसी के संपर्क में न हो, संपर्क रहित, संबध-रहित, असंयुक्त 2. तटस्थ विलो. संपृक्त।

**असंप्रज्ञात समाधि** स्त्री. (तत्.) योग. दो प्रकार की समाधियों में से एक जिसमें ध्याता, ध्येय और ध्यान की त्रिपुटी नहीं रहती, अर्थात् आलंबन-रहित समाधि पर्या. निर्बीज समाधि, निर्विकल्प समाधि।

**असंबंध** पुं. (तत्.) संबंधविहीनता, संबंध का न होना, लगाव न रह जाना विलो. संबंध।

**असंबद्ध** वि. (तत्.) 1. जो संबंधित न हो या जुड़ा न हो 2. पृथक्, अलग, अनमेल 3. बिना सिर-पैर का, अनुचित विलो. संबद्ध।

**असंबाध** वि. (तत्.) 1. बिना बाधा के, निर्बाध 2. जो बंधन में न हो; जिसे बांधा न जा सके 3. भीड़-भाड़ से अलग, खुला स्थान।

**असंभव** वि. (तत्.) जो संभव न हो, जो न हो सके, अनहोना, नामुमकिन पुं. काव्य. एक प्रकार का काव्यालंकार जिसमें न होने वाली बात होती हुई दिखाई जाए विलो. संभव।

**असंभवता** स्त्री. (तत्.) असंभव होने की स्थिति या भाव।

**असंभार** पुं. (तत्.) देख-रेख न हो पाना वि. 1. बिना देखरेख वाला, बिना सँभाला हुआ 2. न सँभालने योग्य, बहुत बड़ा या कठिन।

**असंभाव** वि. (तत्.) 1. जो संभालने योग्य न हो 2. जिसकी व्यवस्था संभव न हो 3. अपार 4. बहुत बड़ा पुं. (तत्.) आवश्यक-सामग्री का प्रबंध न हो पाना 3. अभावितव्यता।

**असंभावना** स्त्री. (तत्.) 1. संभावना का अभाव, अनहोनापन 2. अशक्यता दर्श. ज्ञान के तीन प्रतिस्कर्धों में से एक विलो. संभावना।

**असंभावनीय** वि. (तत्.) दे. असंभाव्य।

**असंभावित** वि. (तत्.) जिसकी संभावना न रही हो, जिसके विषय में अनुमान ही न किया गया हो, असंभव विलो. संभावित।

**असंभावी** वि. (तत्.) दे. असंभावित।

**असंभाव्य** वि. (तत्.) जिसकी संभावना बिल्कुल न हो, जिसका अनुमान भी न किया जा सके, अनहोना। विलो. संभाव्य।

**असंभूति** स्त्री. (तत्.) 1. अस्तित्व का न होना, अस्तित्वहीनता 2. योग्यता का अभाव 3. पुनर्जन्म न होना, मोक्ष 4. मूल प्रकृति।

**असंभ्रम** पुं. (तत्.) 1. अधीरता या हड़बड़ी का अभाव, धीरता 2. शांति वि. उतावली या व्याकुलता से रहित, शांत।

**असंयत** वि. (तत्.) 1. संयम रहित, अनियंत्रित 2. बंधनहीन, बे-लगाम विलो. संयत।